अध्याय

09

संगतकार

© NCERT not to be republished

मंगलेश डबराल

मंगलेश डबराल

जीवन परिचय

जन्म-16 मई 1948
स्थान -टिहरी गढ़वाल का काफल पानी गांव (उत्तरांचल)
निधन -9 दिसंबर 2020 नई दिल्ली

काव्य-संग्रह- पहाड़ पर लालटेन (1981), घर का रास्ता (1988), हम जो देखते है (1995), आवाज भी एक जगह है (2000) नए युग में शत्रु (2013) स्मृति एक दूसरा समय है (2020)

गद्य संग्रह -लेखक की रोटी, कवि का अकेलापन।

यात्रा वृतांत -एक बार आयोवा।

अनुवाद -पाब्लो नेरुदा,तादेऊश रूज़ेविच,एर्नेस्तो कार्देनाल, डोरा गाबे आदि विदेशी कवियों की कविताओं का अँग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद किया है।

सम्मान -"हम जो देखते हैं" के लिये वर्ष 2000 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित।
शमशेर सम्मान 1996
पहल सम्मान पानेवाले टिहरी के दूसरे कवि

साहित्यिक परिचय

मंगलेश डबराल समकालीन हिंदी कवियों में एक चर्चित नाम

मंगलेश आठवें दशक के प्रमुख कवि, लेखक और आलोचक।

मंगलेश की कविताओं में सामंती बोध एवं पूंजीवादी छल-प्रपंच दोनों का प्रतिकार है।

यह प्रतिकार किसी शोर-शराबे के साथ नहीं बल्कि प्रतिपक्ष में एक सुंदर सपना रचकर करते हैं।

उनका सौंदर्य बोध सूक्ष्म है और भाषा पारदर्शी।

साहित्य के अतिरिक्त सिनेमा, संचार माध्यम और संस्कृति के सवालों पर लेखन।

मंगलेश की कविताओं का भारतीय भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी, रूसी, जर्मन, स्पेनिश, पॉलस्की एवं बल्गारिय आदि भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है।

© JCERT not to be republished

पाठ परिचय

1. इस कविता में कवि ने गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका के महत्व पर विचार किया है।

2. दृश्य माध्यमों की प्रस्तुति जैसे- नाटक, फिल्म,संगीत और नृत्य के अतिरिक्त समाज और इतिहास में भी ऐसे अनेक प्रसंगों को देख सकते हैं जहां नायक की सफलता में अनेक लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

3. यह कविता हममें यह संवेदनशीलता विकसित करती है कि उनमें से प्रत्येक का अपना-अपना महत्व है और उनका सामने ना आना उनकी कमजोरी नहीं बल्कि मानवीयता है।

4. संगीत की सूक्ष्म समझ और कविता की दृश्यता इस कविता को ऐसी गति देती है मानो हम इसे अपने सामने घटित होता देख रहे हो।

© JCERT not to be republished

काव्यांश-1

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती।

वह आवाज सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

शब्दार्थ-

संगतकार - मुख्य गायक के साथ गायन करने वाला या कोई वाद्य बजाने वाला कलाकार सहयोगी।

गरज– ऊंची गंभीर आवाज

प्रसंग- प्रस्तुत काव्यांश मंगलेश डबराल रचित 'संगतकार' शीर्षक कविता से ली गई है जो हमारे हिंदी की पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग -2 में संकलित है।

व्याख्या- प्रस्तुत कविता की पंक्तियों में संगतकार की मुख्य भूमिका का महत्व बताया

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

है। मुख्य गायक के साथ अवश्य एक संगतकार होता है जिस पर लोगों का ध्यान प्राय: नहीं रहता। मुख्य गायक अपने चट्टान जैसे भारी स्वर में जब गाता है तब संगतकार हमेशा उसका साथ देता है। संगतकार की आवाज बहुत ही कमजोर, कांपती हुई प्रतीत हो रही है। फिर भी वह मधुर होती है, जो मुख्य गायक की प्रभावशीलता को बढ़ा देती है। संगतकार गायक का छोटा भाई, शिष्य या दूर का रिश्तेदार हो सकता है जो गायक बनने की चाह में प्राचीन काल से ही अपनी आवाज मुख्य गायक को देता आया है।

विशेष – कविता मुक्त छंद में लिखी गई है। भाषा सहज, सरल, प्रभावोत्पादक एवं शैली प्रवाहमयी है।

काव्यांश-2

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल
में खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लाँघकर

चला जाता है भटकता हुअ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है

जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा
हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था।

शब्दार्थ-

अंतरा -	स्थाई या टेक को छोड़कर गीत का चरण
तान-	संगीत के स्वर का विस्तार
सरगम -	संगीत के सात स्वर
अनहद -	योग अथवा साधन की आनंददायक स्थिति
नौसिखिया -	जिसने अभी-अभी सीखना शुरू किया हो।

3. प्रसंग - प्रस्तुत काव्यांश मंगलेश डबराल रचित "संगतकार" शीर्षक कविता से ली गई है जो हमारे हिंदी की पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग -2 में संकलित है।इस कविता में उन्होंने गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका के महत्व को बताया है।

व्याख्या - इन पंक्तियों में कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि जब कोई महान संगीतकार अपने गाने की लय में डूब जाता है, तो उसे गाने के सुर-ताल की भनक नहीं पड़ती और वह कभी-कभी अपने गाने में भटक-सा जाता है। आगे सुर कैसे पकड़ना है, यह उसे समझ नहीं आता। ऐसी दुविधा के समय में भी उसका सहायक या संगतकार निरंतर अपनी कोमल एवं सुरीली आवाज़ में संगीत के सुर-ताल को पकड़े रहता है। इस दौरान ऐसा लगता है, मानो मुख्य गायक अपना कुछ सामान पीछे छोड़ते हुए चला जाता है और संगतकार उसे समेटते हुए उसके साथ आगे बढ़ता है। इससे गायक को उसके बचपन की याद आ जाती है।

© JCERT not to be republished

विशेष- कविता मुक्त छंद में लिखी गई है। भाषा सहज, सरल एवं शैली लयात्मक और प्रवाहमयी है। बिंब विधान नवीनता लिए हुए है। इन्होंने नए प्रतीकों का प्रयोग किया है।

1.काव्यांश-3

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढ़ाँढ़स बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग।

शब्दार्थ-

तार सप्तक - काफी ऊंची आवाज,

राख जैसा गिरता हुआ- बुझता हुआ स्वर

प्रसंग- प्रस्तुत काव्यांश मंगलेश डबराल रचित "संगतकार" शीर्षक कविता से ली गई है जो हमारे हिंदी की पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग -2 में संकलित है।इस कविता में उन्होंने गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका के महत्व को बताया है।

व्याख्या - इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि जब मुख्य गायक उसे ऊंचे स्वर में गाते-गाते थक जाता है और उसके अंदर गाने की ऊर्जा और इच्छा जवाब दे जाती है। उसके स्वर गिरने लगते हैं।तब उस वक्त मुख्य गायक का हौसला बढ़ाने और उसके स्वर को संभालने के लिए संगतकार कहीं से चला आता है। कभी-कभी तो वह इसलिए गाता है कि मुख्य गायक को लगे कि वह अकेला नहीं है और कभी भी एक राग को दोबारा गाया जा सकता है।

विशेष - कविता मुक्त छंद में है और भाषा-शैली सरल, सहज एवं प्रवाहमयी है। इन्होंने शब्दों का प्रयोग नए अर्थों में किया है।

काव्यांश-4

और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

शब्दार्थ -

हिचक- दुविधा,

विफलता- असफल

प्रसंग - प्रस्तुत काव्यांश मंगलेश डबराल रचित "संगतकार" शीर्षक कविता से ली गई है जो हमारे हिंदी की पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग -2 में संकलित है।इस कविता में उन्होंने गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका के महत्व को बताया है।

© JCERT not to be republished

व्याख्या – इन पंक्तियों में कवि ने संगतकार में त्याग की भावना को दिखाया है जो खुद की प्रसिद्धि एवं तरक्की की परवाह किए बिना मुख्य गायक के साथ गाता चला जाता है उसको यह ध्यान रखना पड़ता है कि उसका स्वर मुख्य गायक से अच्छा ना हो जाए।

विशेष – कविता की पंक्तियां खड़ी बोली हिंदी में लिखी गई है और सामान्य बोलचाल के शब्दों का प्रयोग किया गया है।

प्रश्न – अभ्यास

प्रश्न-उतर प्रश्न 1. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

उत्तर: संगतकार के माध्यम से कवि 'मंगलेश डबराल' जी किसी भी काम व कला में लगे कलाकारो व कर्मचारियों जैसे व्यक्तियों की ओर इशारा करना चाह रहे हैं, जो किसी खास व्यक्ति के उत्थान एवं सफलता में बिना किसी लोभ-लालच के कार्य को सहायता पूर्वक करते जाते हैं।

प्रश्न 2. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

उत्तर: संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और निम्नलिखित क्षेत्रों में दिखाई देते हैं:-

1. नृत्य क्षेत्रों में
2. भवन निर्माण क्षेत्र में
3. नाटक में
4. सिनेमाघर के क्षेत्र में।

प्रश्न 3. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

उत्तर: संगतकार निम्नलिखित रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं:-

1. संगतकार मुख्य गायक की मदद उनके गाने की गूंज को अपने स्वर के साथ मिलाकर बल देते हैं।
2. संगतकार इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि उनका स्वर मुख्य गायक के गीत के स्वर के मेल में रहे।
3. जब कभी मुख्य गायक का लक्ष्य अपने गीत पर से भटक जाता है, तब संगतकार उनके लक्ष्य को उस भटकाव से बचाते हैं।
4. संगतकार मुख्य गायक के गायन के बीच में हुए अकेलेपन या थकान को अपने मधुर स्वर का बल देकर मुख्य गायन की श्रेष्ठता बनाए रखते हैं।

प्रश्न 4 उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है या अपने स्वर को ऊंचा ना उठाने की जो कोशिश की है उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए। भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: पंक्तियों में कवि का कहना यह है कि गायन के समय मुख्य गायक के स्वर को

© JCERT not to be republished

सहायता देते हुए जब संगतकार अपने स्वर को मिलाता है तब वह अपने स्वर को उनके स्वर से नीचे ही रखता है। इस बीच संगतकार की आवाज़ में एक घबराहट साफ सुनाई देती है, यह इसी बात का कारण है। फिर कवि कहते हैं कि इसे संगतकार की विफलता नहीं, उनके मनुष्यता का गुण समझना चाहिए। क्योंकि वह सामने न आकर भी अपनी मेहनत एवं कोशिशों को दूसरों की सफलता के लिए कुर्बान कर देते हैं।

प्रश्न 5 किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगो को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। कोई एक उदाहरण देकर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर: किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। जैसे नृत्य, नाटक, शिक्षा संगीत, फिल्म आदि अनेक क्षेत्र है। उदाहरण के लिए:- किसी फिल्म में एक विशेष मुख्य पात्र होता है उसकी प्रसिद्धि प्राप्त होने के पीछे दूसरे अन्य सहायक कलाकार, संगीतकार, गायक, संवाद समझाने वाले, निर्देशक, पोशाक बनाने वाले, सह-गायक, निर्माता आदि अनेक लोगों का सहयोग होता है। लेकिन प्रसिद्धि केवल उसी एक विशेष मुख्य पात्र को मिलती है।

प्रश्न 6. कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है। उस समय संगतकार उसके पीछे मुख्य धुन को दोहरा कर उसे बिखरने से बचा लेता है। और उसके धैर्य, साहस व हिम्मत को बढ़ाने में सहयोग करता है।

प्रश्न 7. सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं?

उत्तर: सफलता के चरम शिखर पर पहुंचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी उत्साह, हिम्मत व हौसला देकर संभालते हैं। पुनः हिम्मत के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने और निराश होने पर भी उसे निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 8. कल्पना कीजिए कि आपको किसी संगीत या नृत्य समारोह का कार्यक्रम प्रस्तुत करना है लेकिन आपके सहयोगी कलाकार किसी कारणवश नहीं पहुँच पाए-

(क) ऐसे में अपनी स्थिति का वर्णन कीजिए।

(ख) ऐसी परिस्थिति का आप कैसे सामना करेंगे?

उत्तर: (क) जब हमे संगीत या नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत करना है लेकिन अचानक सहयोगी कलाकार किसी कारणवश न पहुंच पाए तो मैं परेशान, अकेला और असहाय महसूस करने लगूंगा। यथासंभव उन्हें बुलाने का प्रयास करूंगा और आयोजक से अन्य सहयोगी कलाकार की व्यवस्था कराने का निवेदन करूंगा।

© JCERT not to be republished

(ख) ऐसी परिस्थिति में मैं स्वयं को संभालने की कोशिश करूंगा। और अपने आयोजकों एवं श्रोताओं के सामने सारी बात साफ — साफ बता दूंगा कि मेरा सहयोगी कलाकार किसी कारणवश आ नहीं पाया। हो सकता है मेरा कार्यक्रम अच्छा रहे लेकिन सहयोगी कलाकार की कमी अवश्य महसूस होती रहेगी।

प्रश्न 9. आपके विद्यालय में मनाए जाने वाले सांस्कृतिक समारोह में मंच के पीछे काम करने वाले सहयोगियों की भूमिका पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर: मंच के पीछे काम करने वाले सहयोगियों की सहायता के बिना सांस्कृतिक समारोह की सफलता की कल्पना करना भी बेकार है। क्योंकि यही वह लोग हैं जो कार्यक्रम के लिए आवश्यक वस्तुओं को इकट्ठा करते हैं, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था को संभालते हैं और मंच पर प्रकाश का उचित प्रबंध करते हैं। यह सभी लोग पर्दे में आए बिना भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान देते हैं।

प्रश्न10. किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुंच पाते होंगे?

उत्तर: किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर इसलिए नहीं पहुंच पाते क्योंकि:

1. उनकी भूमिका पर्दे के पीछे रहती है और दर्शकों का ध्यान प्राय मुख्य कलाकार की ओर रहता है।
2. उनमें मुख्य कलाकार से अलग होकर प्रस्तुति देने का हौसला नहीं होता होगा।
3. उनको उचित अवसर नहीं मिल पाता होगा।
4. आर्थिक तंगी उनके मार्ग का बाधक बनती होगी।
5. शीर्ष स्थान तक पहुंचने में जो प्रयास लगता है वें उतना प्रयास नहीं करते होंगे।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. 'संगीतकार' शीर्षक कविता के कवि का क्या नाम है?

(a) मंगलेश डबरवाल

(b) ऋतुराज

(c) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(d) जयशंकर प्रसादा

उत्तर-(a) मंगलेश डबरवाल

प्रश्न 2. संगतकार किसे कहा गया है?

(a) मुख्य गायक का साथ देने वाले को

(b) संगति करने वाले को

(c) समूह में रहने वाले को

(d) संगत बनाने वाले को

उत्तर-(a) मुख्य गायक का साथ देने वाले को

प्रश्न 3. मुख्य गायक की आवाज कैसी थी?

(a) हल्की–फुल्की

(b) चट्टान जैसी भारी

(c) लड़की जैसी

(d) तिनके जैसी कमजोर

उत्तर-(b) चट्टान जैसी भारी

प्रश्न 4. किसकी आवाज को कमजोर एवं काँपती हुई बताया गया है?

(a) मुख्य गायक की

(b) संगतकार की

(c) श्रोता की

(d) गीत–लेखक की

उत्तर-(b) संगतकार की

प्रश्न 5. संगतकार का क्या काम है?

(a) मुख्य गायक की आवाज में अपनी आवाज मिलाना

(b) मुख्य गायक की प्रशंसा करना

(c) मुख्य गायक का गीत सुनना

(d) मुख्य गायक की कमियाँ निकालना

उत्तर-(a) मुख्य गायक की आवाज में अपनी आवाज मिलाना।

प्रश्न 6. अंतरा किसे कहते हैं?

(a) स्थायी टेक को

(b) संपूर्ण गीत को

(c) स्थायी टेक को छोड़कर गीत का शेष भाग

(d) गीत का मध्य भाग

उत्तर-(c) स्थायी टेक को छोड़कर गीत का शेष भाग

प्रश्न 7. नौसिखिया किसे कहते हैं?

(a) जिसने अभी सीखना आरंभ किया है।

(b) नौं बातें जानने वाला

(c) नई शिक्षा

(d) नया काम सिखाने वाला

उत्तर-(a) जिसने अभी सीखना आरंभ किया है।

प्रश्न 8. संगतकार किसे उसका बचपन याद दिलाता है?

(a) श्रोता को

(b) प्रमुख गायक को

(c) वाद्‌यंत्र बजाने वाले को

(d) स्वयं को

उत्तर-(b) प्रमुख गायक को

प्रश्न 9. 'स्थायी' किसे कहा गया है?

(a) स्थान को

(b) स्थिर को

(c) गीत की मुख्य टेक को

(d) गीत के शेष भाग को

उत्तर-(c) गीत की मुख्य टेक को

प्रश्न 10. 'अनहद' का कविता के संदर्भ में क्या अर्थ है?

(a) सीमाहीन

(b) असीम

© JCERT not to be republished

(c) अनंत

(d) असीम मस्ती

उत्तर-(d) असीम मस्ती

प्रश्न 11. 'तारसप्तक' किसे कहा गया है?

(a) सरगम के ऊंचे स्वर को

(b) पक्का राग को

(c) मध्य स्वर में गाए गए राग को

(d) अति धीमे स्वर को

उत्तर-(a) सरगम के ऊँचे स्वर को

प्रश्न 12. संगतकार मुख्य गायक को ढाँढस कब बंधाता है?

(a) जब मुख्य गायक निराश हो जाता है

(b) जब उसका राग गिरने लगता है

(c) जब वह आलसी बन जाता है

(d) जब वह स्वर–ताल भूल जाता है

उत्तर-(b) जब उसका राग गिरने लगता है

प्रश्न 13. किस कारण से मुख्य गायक की आवाज साथ नहीं देती?

(a) थक जाने के कारण

(b) स्वर–ताल उखड़ने के कारण

(c) गला बैठ जाने के कारण

(d) सांस फूल जाने के कारण

उत्तर-(c) गला बैठ जाने के कारण

प्रश्न 14. मुख्य गायक को यह अहसास कौन दिलाता है कि वह अकेला नहीं है?

(a) श्रोतागण

(b) वाद्‌ययंत्र को बजाने वाले

(c) गीत लेखक

(d) संगतकार

उत्तर-(d) संगतकार

प्रश्न 15. संगतकार की मुख्य भूमिका क्या होती है?

(a) मुख्य गायक के स्वर को शक्ति देना

(b) मुख्य गायक की कमियाँ दूर करना

(c) मुख्य गायक के स्वर को सुधारना

(d) मुख्य गायक को आराम देना

उत्तर-(a) मुख्य गायक के स्वर को शक्ति देना

प्रश्न 16. 'मनुष्यता' का क्या अर्थ है?

(a) मानव को पहचानना

(b) भलाई की भावना

(c) सफलता की भावना

(d) मित्रता की भावना

उत्तर-(b) भलाई की भावना

© JCERT not to be republished